



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 204] नई दिल्ली, सोमवार, जून 11, 1984/खण्ड 21, 1906
No. 204] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 11, 1984/JYAISTHA 21, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अभिसूचना

नई दिल्ली, 11 जून, 1984

सा.का.नि. 441(अ) —सहापत्तन न्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38)
की धारा 11 के साथ पठित धारा 10 (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए
कन्द्र सरकार एतद्वारा, अखिल भारतीय नौमानिक परिषद् का प्रतिनिधित्व करने
के लिए, श्री बीरभल एस. वजानी को म्दगीय श्री आई. एम्. पद्मश्री के स्थान
पर बंबई पत्तन न्यामी मंडल का न्यामी नियुक्त करती है और नौवहन और परिवहन

मंत्रालय (पत्तन पक्ष) सूचना 249 (अ) दिनांक 31 मार्च, 1984 में भारत सरकार की अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, मुख्यतः :—

उक्त अधिसूचना में क्रम सं. 16 की एंट्री में शब्द और अक्षर “श्री आई. एस. पदमशी” के स्थान पर शब्द और अक्षर “श्री वीरुमल एस. वंजानी” रखा जाएगा।

[फाइल सं. पी. डब्ल्यू./पी.टी.बी.-21/83]

पी.वी. राव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th June, 1984

G.S.R. 441(E).—In exercise of the powers conferred by section 10(3) read with section 11 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the Central Government hereby appoints Shri Virumal S. Vanjani, as a Trustee on the Board of Trustees of the Port of Bombay, representing the All India Shippers Council vice late Shri I. H. Padamsee, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) G.S.R. No. 249(E), dated 31st March, 1984, namely :—

In the said notification, in the entry against serial number 16, for the words and letters “Shri I. H. Padamsee”, the word and letters “Shri Virumal S. Vanjani”, shall be substituted.

[F. No. PW/PTB-21/83]

P. V. RAO, It. Secy.